

**SYLLABUS**  
**SUBJECT – HINDI**  
**CLASS – XII**

**Half-yearly Examination :**

|                            |   |    |
|----------------------------|---|----|
| गद्य खण्ड :                | 1. महादेवी वर्मा<br>2. जैनेन्द्र कुमार<br>3. धर्मवीर भारती  | 20 |
| पद्य खण्ड :                | 1. तुलसीदास<br>2. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला<br>3. हरिवंश राय वच्चन   | 20 |
| हिन्दी साहित्य का इतिहास : | 1. हिन्दी साहित्य का काल, विभाजन एवं नामकरण<br>2. आदिकाल : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ एवं कवि<br>3. गद्य विधाएँ : संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्ताज | 15 |
| काव्यशास्त्र :             | रस, अलंकार  | 10 |
| पत्र-लेखन :                | औपचारिक / अनौपचारिक   | 07 |
| निबन्ध लेखन :              | —   | 08 |

**कुल अंक - 80**

**Annual Examination :**

|             |   |    |
|-------------|---|----|
| गद्य खण्ड : | 1. महादेवी वर्मा<br>2. जैनेन्द्र कुमार<br>3. धर्मवीर भारती<br>4. फणीश्वरनाथ रेणु<br>5. बाबासाहेब भीमराव अंबेदकर     | 20 |
| पद्य खण्ड : | 1. तुलसीदास<br>2. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला<br>3. हरिवंश राय वच्चन<br>4. गजानन माधव मुक्तिबोध<br>5. फिराक गोवखपुरी | 20 |

हिन्दी साहित्य का इतिहास :

15

1. हिन्दी साहित्य का काल, विभाजन एवं नामकरण
2. आदिकाल : युगीन परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ एवं कवि
3. भक्तिकाल : युगीन परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ एवं कवि
4. रीतिकाल : युगीन परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ एवं कवि
5. गद्य विधाएँ : रेखाचित्र, संस्मरण, रिपोर्टीज, आत्मकथा, जीवनीका उद्भव एवं विकास।

काव्यशास्त्र : शब्दशक्ति, रस छंद, अलंकार, काव्य प्रयोजन का सामान्य परिचय 10

पत्र-लेखन : औपचारिक / अनौपचारिक 07

निबन्ध लेखन : — 08

कुल अंक - 80

**MARKS DISTRIBUTION OF CLASS-XII  
SUBJECT : HINDI**

**Half-yearly / Annual Examination :**

|                            |                   |      |
|----------------------------|-------------------|------|
| गद्य -                     | 1x10=10<br>5x2=10 | } 20 |
| पद्य -                     | 1x10=10<br>5x2=10 | } 20 |
| हिन्दी साहित्य का इतिहास - | 1x5=5<br>5x1=5    | } 10 |
| काव्यशास्त्र -             | 2x5=10            | 10   |
| पत्र लेखन -                | 7x1=5             | 07   |
| निबन्ध लेखन -              | 8x1=5             | 08   |

कुल अंक = 80

पुस्तके :

1. आरोह भाग-2 (N.C.E.R.T)
2. वितान भाग-2 (N.C.E.R.T)

## Sample Question Paper

Subject : HINDI  
CLASS : XII

Time : 3 Hrs 15 minutes

Full Marks : 80

### खण्ड - क

प्रश्नों का उत्तर एक या दो वाक्य में लिखिए :

1x20=20

1. 'आत्म परिचय' कविता के कवि का पूरा नाम लिखिए।
2. 'बादल राग' किसकी रचना है ?
3. 'सहर्ष स्वीकारा है' काव्या अभिप्राय है ?
4. दिन जल्दी-जल्दी ढलता है ! कविता कहाँ से उद्धृत है ?
5. कवि 'निराला जी' की एक प्रमुख रचना का नाम लिखिए।
6. कवि 'मुक्तिबोध' का पूरा नाम लिखिए।
7. तुलसीदास के काव्य का विषय-वस्तु क्या है ?
8. 'गज़ल' किस भाषा में रचित है ?
9. फिराक गोरखपुरी का मूलनामक्या था ?
10. 'कवितावली' के रचयिता कौन है ?
11. 'भक्तिन' पाठ के लेखक का नाम लिखिए।
12. बाजार दर्शन गद्य साहित्य की कौन सी विधा है ?
13. 'काले मेघा पानी दे' पाठ के लेखक का नाम लिखिए।
14. भक्तिन का मूल नाम क्या था ?
15. 'बाजारुपन' से क्या तात्पर्य है ?
16. 'काले मेघा पानीदे' पाठ में किसका चित्रण है ?
17. फणीश्वर नाथ रेणु की एक प्रमुख रचना का नाम लिखिए।
18. लुट्टन सिंह कौन था ?
19. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?
20. आदर्श समाज के कौन-कौन तत्व हैं ?

किन्ही दो अवतरणों का निर्देशानुसार उत्तर लिखिए :

5+5=10

21. (क) पानी की आशा पर जैसे सारा जीवन आकर टिक गया हो, बस एक बात मेरे समझ में नहीं आती थी कि जब चारो और पानी की इतनी कमी है तो लोग घर में इतनी कठिनाई से इकट्ठा करके रखा हुआ पानी बाल्टी

भर-भर कर इनपर व्यो फेकते हैं। कैसी निर्मम वरबादी है पानी की। देश की कितनी क्षति होती है, इस तरह के अंधविश्वासों से। कौन कहता है इन्हें इन्द्र की सेना ? अगर इन्द्र महाराज से ये पानी दिलवा सकते हैं तो खुद अपने लिए पानी व्यो नहीं माँग लेते ? व्यो मुहल्ले भर का पानी नष्ट करवाते घूमते हैं। नहीं यह सब पाखण्ड है। अंधविश्वास है। ऐसे अंधविश्वासों के कारण हम अंग्रेजों से पिछड़ गए और गुलाम बन गए।

(i) अवतरण के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) लेखक को कौन सी बात समझ में नहीं आती ?

(iii) इन्द्र सेना के विरोध में लेखक क्या तर्क दिया है ?

1+2+2

(ख) भक्तिन और मेरे बीच में सेवक-स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है ; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी-बारी से आने जाने वाले अंधेरे-उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना। वे जिस प्रकार अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए ही हमें सुख-दुख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है।

(i) अवतरण के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) किनके स्वामी-सेवक संबंधों का वर्णन है ?

(iii) भक्तिन और लेखिका के साथ किस प्रकार का संबंध था ?

1+2+2

(ग) श्रम विभाजन, निश्चय ही सभ्य समाज की आवश्यकता है, परन्तु किसी भी सभ्य समाज में श्रम विभाजन की व्यवस्था श्रमिकों का विभिन्न वर्गों में अस्वाभाविक विभाजन नहीं करती। भारत की जाति-प्रथा की एक और विशेषता यह है कि यह श्रमिकों का अस्वाभाविक ही विभाजन नहीं करती बल्कि विभाजित विभिन्न वर्गों को एक दूसरे की अपेक्षा ऊँच-नीच भी करार देती है, जो कि विश्व के किसी भी समाज में नहीं पाया जाता।

(i) श्रम विभाजन के विषय में लेखक ने क्या कहा है ?

(ii) भारत की जाति प्रथा की क्या विशेषता है ?

(iii) विश्व के अन्य समाज में क्या नहीं पाया जाता ?

1+2+2

22. किन्ही दो पद्यांश का निर्देशानुसार उत्तर लिखिए :

5+5=10

(क) किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट,  
चाकर, चपल, नट, चोर, चार चेटको।  
पेट को पढ़त, गुन गढ़त, चढ़त गिरि  
अटत गहन-गन अहन अखेटकी ॥  
ऊँचे नीचे करम, धरम-अधरम करी,  
पेट को ही पचत, वेचत बेटा-बेटको ॥

'तुलसी' बुझाइ एक राम घनस्याम ही तें,  
आगि बडवागितें बडी है आगि पेटकी ॥

- (i) पद्यांश की कविता एवं कवि का नाम लिखिए।  
(ii) पद्यांश का भावार्थ लिखिए।

2+3

(ख) मैं जगजीवन का भार लिए फिरता हूँ,  
फिर भी जीवन में प्यार लिए फिरता हूँ,  
कर दिया किसी ने झंकृत जिनको छूकर,  
मैं सासों के दो नार लिए फिरता हूँ।  
मैं स्नेह सुरा का पान किया करता हूँ  
मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ  
जग पूछ रहा उनको जो जग की गाते।  
मैं अपने मन का गान किया करता हूँ ॥

- (i) प्रस्तुत पद्यांश का प्रसंग लिखिए।  
(ii) पद्यांश का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

2+3

(ग) जिंदगी में जो कुछ है, जो भी है,  
सहर्ष स्वीकारा है,  
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है  
वह तुम्हें प्यारा है।  
गरबोली गरीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब  
यह विचार वैभव सब,  
दृढ़ता यह, भीतर की सरिता यह अभिनव सब  
मौलिक है मौलिक है ..... ॥

- (i) लह पद्यांश के कविता एवं कवि का नाम लिखिए।  
(ii) पद्यांश का भावार्थ लिखिए।

2+3

### खण्ड - ख

23. प्रश्नों का उत्तर संक्षेप में लिखिए :

1x5=5

- (i) भक्तिकालके एक प्रमुख कवि का नाम लिखिए।  
(ii) 'रीतिकाल' का समय कब से कब तक माना जाता है ?  
(iii) 'आदिकाल' का दूसरा नाम क्या है ?  
(iv) तुलसीदास किस काल खण्ड के कवि है ?  
(v) आधुनिक काल के किसी एक लेखक का नाम लिखिए।

24. किन्ही दो प्रश्नों का उत्तर लिखिए : 5+5=10
- (i) 'रीतिकाल' की सामान्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
- (ii) हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल-विभाजन का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
- (iii) भक्तिकाल की सामान्य प्रवृत्तियाँ का वर्णन कीजिए।
25. 'शब्दशक्ति' के कौन-कौन भेद है? 2
26. 'यमक' या अनुप्रास अलंकार का एक उदाहरण लिखिए। 2
27. अलंकार किसे कहते हैं ? 2
28. छन्द की परिभाषा लिखिए। 2
29. 'दोहा' छंद का एक उदाहरण लिखिए। 2

**खण्ड - ग**

30. चरित्रप्रमाण-पत्र के लिए अपने प्रदानाध्यापक को प्रार्थना पत्र लिखिए। 7

**अथवा**

स्वच्छता-अभियान के विषय में बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

31. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 8
- (क) मेरा प्रिय साहित्यकार
- (ख) महान भारत
- (ग) त्रिपुरा के पर्व
- (घ) पर्यावरण की समस्या एवं समाधान।

=====